औपचारिक दोनों शिक्षा–के विभिन्न पहलुओं पर, उच्च माध्यमिक और तृतीय स्तरों पर व्यावसायिकरण, प्रबंध व्यवस्था, कार्यान्वयन की नीतियों, सरकारी और गैर-सरकारी संगठनों की भूमिका पर अपनी सिफारिशें करते हुए उदार केन्द्रीय वित्तीय सहायता की सिफारिश की ।

ग्रुप की सिफारिशों के आधार पर फरवरी, 1988 में माध्यमिक शिक्षा के व्यावसायिकरण की केन्द्रीय प्रायोजित योजना शुरू की गई, जिसके अंतर्गत +2 स्तर पर व्यावसायिक पाठ्यक्रमों को शुरू करने के लिए राज्यों/केन्द्रशासित प्रदेशों को काफी वित्तीय सहायता दी जाती है।

(ग) और (घ) विश्वविद्यालय अनुदान आयोग और सम्बद्ध मंत्रालयों/विभागों की संयुक्त वित्तीय सहायता के माध्यम से केन्द्रीय विश्वविद्यालयों में स्नातकोत्तर विभागों में बायो-टेक्नोलोजी, कम्प्यूटर साइंस, इलेक्ट्रोनिक्स आदि जैसे व्यावसायिक पाठ्यक्रम चलाए जा रहे हैं। अभी तक किसी भी केन्द्रीय विश्वविद्यालय में संसाधनों के अभाव में इन पाठ्यक्रमों को रोका नहीं गया है ।

जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय

914. **श्री कैलाश नारायण सारंग :**

डा. जिनेन्द्र कुमार जैन :

क्या **मानव संसाधन विकास** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान दिनांक 10 जून, 1992 को "टाइम्स आफ इंडिया" में "नाट बाई कमेटी अलोन" शीर्षक से प्रकाशित समाचार की ओर दिलाया गया है ;

(ख) यदि हां, तो क्या यह सच है कि जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय में पिछले कुछ महीनों से उत्पन्न हुए कटुविवाद को सुलझाने के लिए सरकार द्वारा एक समिति गठित की गई थी ;

(ग) यदि हां, तो उक्त समिति के सदस्यों की संख्या उनके नाम तथा उनके चयन के मानदंड क्या-क्या थे ;

(घ) क्या उक्त समिति ने अपना प्रतिवेदन प्रस्तुत कर दिया है; और

(ङ) यदि हां, तो प्रतिवेदन का ब्यौरा क्या है, और यदि नहीं, तो इसे कब तक प्रस्तुत कर दिए जाने की संभावना है ।

मानव संसाधन विकास मंत्रालय (शिक्षा विभाग और संस्कृति विभाग) में उप मंत्री (कुमारी शैलजा) : (क) जी, हां ।

(ख) और (ग) : जामिया मिलिया इस्लामिया में परिस्थिति का तथ्यपरक मूल्यांकन करने के उद्देश्य से तथा इस मामले में सरकार को सलाह देने के लिए, विश्वविद्यालयों के प्राधिकारियों सहित, सभी सम्बन्धितों के साथ परामर्श करके, इस विभाग द्वारा, 8–6–1992 को निम्नलिखित पांच प्रतिष्ठान व्यक्तियों का एक दल गठित किया गया था :—

1. न्यायमूर्ति एम0एम0 इस्माइल,
   भूतपूर्व मुख्य-न्यायधीश,
   उच्च न्यायालय,
   मद्रास ।

2. प्रो0 ए0 एम0 खुसरो,
   भूतपूर्व कुलपति,
   अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय,
   और सम्पादक,
   फाइनेन्शियल एक्सप्रैस, ।

3. श्री असगर अली इंजीनियर,
   निदेशक,
   इस्लामिक अध्ययन संस्थान,
   बम्बई ।

4. श्री सैयद हमीद,
   भूतपूर्व कुलपति,
   अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय।

5. श्री जफर जंग
   सदस्य
   वक्फ बोर्ड, दिल्ली ।

(घ) और (ङ) इस दल ने दिनांक 24 जून, 1992 को अपनी पहली बैठक नई दिल्ली में आयोजित की थी। इस दल की शीघ्र ही पुनः बैठक होने वाली है।